भारत का राजदूतावास
मस्कट
****

“हिंदी की दिन दोगुनी और रात चौगुनी प्रगति के लिए उसे fun बनाएँ”

विश्व हिंदी दिवस 2023
के अवसर पर राजदूत महोदय श्री अमित नारंग का वक्तव्य

देवीयों और सज्ञनों,
बच्चों,
आप सभी को नमस्कार और दूतावास में हार्दिक अभिनंदन।

आज हम विश्व हिन्दी दिवस मना रहे हैं।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर मैं आपको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

दुनिया भर में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है।

यह दिन भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को उजागर करने और अन्य देशों में हिंदी के अध्ययन और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए है.

आधुनिक काल में वैश्विक पटल पर बोली जाने वाली भाषाओं में हिन्दी भाषा एक अग्रिम स्थान रखती है।

यह हमारे देश की विरासत, संस्कृति और मूल्यों का अलौकिक प्रतिबिंब भी है।

राष्ट्रभाषा हिन्दी गौरव, गर्व और भारत की आत्मा की भाषा है। यह हर भारतीय का सम्मान है।

आज 16 भारतीय स्कूलों के छात्रों की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्ण भागीदारी को देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

हिंदी के प्रोत्साहन के लिए ज़रूरी है की हम इसके दिन प्रतिदिन प्रयोग को “फ़न” बनाएँ , ताकि आने वाली पीढ़ी इसे प्रयोग करने में हिचकिचाए नहीं।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मैं एक बार और आपको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

मित्रों,

हिंदी एक बहुत सहज भाषा है। यह माँ के हाथ से बने हुए खाने की तरह है।

अक्सर हमें बाहर के खाने के लालच में घर के खाने का शायद मूल्य भूल जाते हैं। लेकिन आख़िरकार स्वाद तो माँ के हाथ के बने पकवान का ही याद आता है।

ओमान आकर मैंने देखा की यहाँ निवासी भारतीय समुदाय में हिंदी एक लिंक भाषा के रूप में प्रयोग की जाती है। यह कुछ आश्चर्य की बात लगती है। क्योंकि देश में तो लिंक भाषा इंग्लिश है। पर यहाँ पर मैंने देखा की एक पंजाबी अगर एक तमिल से बात करे तो हिंदी में करता हैं। एक मलयाली मैनेजर एक बिहार के कारीगर से भी हिंदी में ही बात करता हैं। यह दर्शाता है की हिंदी कितनी व्यापक, सशक्त और सहज भाषा है।

हिंदी में बड़े से बड़े भावों को, गहरे से गहरे विचारों को बड़े ही सहज ढंग से अभिव्यक्त किया जा सकता है।

हम कई बार इंग्लिश में बड़े बड़े सेंटेन्स या वाक्य ढूँढते हैं अपनी बात बताने के लिए। कई बार ऐसी कोशिश अपने दोस्तों या अन्य व्यक्तियों को impress करने के लिए भी होती है।
हिंदी में अक्सर इन्हें हम बड़ी सरलता से व्यक्त कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर पे, विदेश नीति में कई सिद्धांत होते हैं, बातें होती है। लेकिन अक्सर यह माना जाता है की होता वही है जो बड़े ग्लोबल पावर होने देना चाहते हैं। इसे हिंदी में कहते हैं **"जिसकी लाठी उसकी भैंस**"! इस मुहवारे को इंग्लिश में कहना आसान नहीं है, पर हिंदी बोलने वाले एक सेकंड में समझ सकते हैं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंध के इस मूल सिद्धांत को।

अक्सर हम देखते हैं - TV चैनल पर पर आपसी बातचीत में, क़ि जो बहुत ज़्यादा बोलते हैं, वे अधिकतर बिना बात की बातें करते हैं, जबकि जो सबसे समझदार होते हैं, वे बड़ी ही सरलता से गहरी बात को भी चुटकी में समझा देते हैं।

जो पहली तरह के लोग होते हैं, इन्हें हिंदी में कहते हैं **"थोथा चना बाजे घना"** और दूसरी ओर जो बुद्धिमान होते हैं उन्हें कहा जाता है **"गागर में सागर**"।

इसी तरह, "**महंगायी में आटा गीला होना**", "**घोड़े बेचकर सोना**" और **"पाँचों उँगलियाँ घी में होना"**, यह ऐसी स्थिथीयों को दर्शाते हैं जिन्हें बयान करने के लिए अन्य भाषाओं में बड़ी मशक़्क़त करने की आवश्यकता पड़ेगी।

हिंदी में लोगों की पर्सनालिटी के विवरण करने के लिए भी बड़ी सशक्त क्षमता है। बड़े ही दो टूक तरीक़े से हम लोगों को डिस्क्राइब कर सकते हैं।

जैसे की - **"चिकना घड़ा**" या **"टेढ़ी खीर**". दोनों तरह के लोग काफ़ी तादाद में मिलते हैं।

या फिर, **"चाँद का टुकड़ा**"। अक्सर मायें अपने बच्चों को इस तरह बुलाती हैं। फिर वो बच्चा **"लकीर का फ़कीर**" या **"किताबी कीड़ा**" ही क्यों ना हो।

कई मित्र अक्सर **"रंगे सियार**" की तरह होते हैं, तो कई "**अंगद के पैर**" की तरह। मित्र तो फिर भी मित्र ही होता है।

मित्रों,

इससे पहले की आप कहें की राजदूत महोदय तो बिलकुल **"ऊँची दुकान फीके पकवान**" जैसी बातें कर रहें हैं, मैं अपने **"मुँह को लगाम**" देता हूँ और मंच से **"नौ दो ग्यारह**" होने की तय्यारी करता हूँ।

आशा करता हूँ की आप सभी विद्वान गणों के साथ फिर **"आखें चार**" करने का अवसर शीघ्र ही मिलेगा।

यह भी आशा करता हूँ की हमारी हिंदी आप सभी के प्रयत्न से **"दिन दोगुनी और रात चौगुनी**" प्रगति करती रहेगी।

आशा यह भी है हम केवल हिंदी दिवस की दिन हिंदी को **"ईद के चाँद**" की तरह नहीं, बल्कि दिन प्रतिदिन में इस भाषा के सहज प्रयोग से अपने इक्स्प्रेशन पर **"चार चाँद**" लगाते रहेंगे ।

इसी आशा के साथ विश्व हिंदी दिवस की अनेकानेक शुभकामनाएँ।

आइए हम सब मिलकर हिंदी को नया गौरव, नई ऊंचाई दिलाने का संकल्प लें। आइए हम सब मिलकर हिंदी के प्रयोग को सहज और fun बनाएँ।

जय हिंद।

***